**Karfreitag C im Pastoralverbund Iserlohn**

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
| Einzug |  |  | in Stille |
| Eröffnungsgebet |  |  |  |
| 1. Lesung | **Jes 52, 13 - 53, 12** |  |  |
| Antwortpsalm | Vater, in deine Hände | 308. 1 | V/A |
| 2. Lesung | **Hebr 4, 14-16; 5, 7-9** |  |  |
| Ruf vor d. Passion | Lob dir, Christus | 584. 9 | V/A |
| Passion | **Joh 18, 1 - 19, 42**, unterbrochen durch  Herzliebster Jesu  O Haupt voll Blut und Wunden  Wir danken dir, Herr Jesu Christ | 290. 1+3  289. 1-3  297 |  |
|  |  |  |  |
| Große Fürbitten |  |  |  |
| Kreuzverehrung | Ecce lignum crucis | 308. 2 | V/A |
|  | Holz auf Jesu Schulter | 291 |  |
|  | O du hochheilig Kreuze | 294 |  |
| Vaterunser |  |  |  |
| Kommunion | Litanei vom Leiden Jesu | 563 |  |
|  | Gottes Lamm, Herr Jesu Christ | 747 |  |
| Abschluss | Christi Mutter stand mit Schmerzen | 532 |  |
| Auszug |  |  | in Stille |